Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

बागेश्वर आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जनपद हैः सीएम

सीएम ने बागेश्वर में 15806.01 लाख की 44 योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया

लोकार्पण

संवाददाता

देहरादून/बागेश्वर। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत द्वारा आज जनपद बागेश्वर में कुल 15806.01 लाख की 44 योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। जिसमें विधान सभा कपकोट के 18 एवं बागेश्वर की कुल 26 योजनाऐं हैं। जिनमें 12141.40 लाख की कुल 25 योजनओ का लोकार्पण एवं 3664.61 लाख की 19 योजनाओं का शिलान्यास किया गया। जिसमें उर्जा विभाग पिटकुल की 104 करोड़ की 132¢33 केवी जीआईएस उप संस्थान बागेश्वर का भी लोकार्पण किया गया। उल्लेखनीय हैं कि जनपद बागेश्वर में निर्मित 132/33 केवी जीआईएस कुमांऊ की प्रथम उपसंस्थान हैं।

उपसंस्थान के लोकार्पण के दौरान मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र द्वारा इस बात पर बधाई दी गयी कि

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते सीएम।

जनपद बागेश्वर का यह उपकेंद्र एक अनुरक्षण उपकेंद्र हैं जिसे रिमोर्ट कंट्रोल तकनीक से जोडा गया हैं, जिससे ने केवल बागेश्वर से बल्कि देहरादून से भी कंट्रोल किया जा सकेंगा। इस तकनीक से यह भी पता चल सकता हैं कि जनपद के किस क्षेत्र में विद्युत तार टूटे हुए हैं जिनका तत्काल रूप में सुधारीकरण किया जा सकेंगा। उन्हांने कहा कि इस संस्थान के ऊर्जाकृत हो जाने से 132 केवी उपकेंद्र अल्मोंडा की अधिभारिता कम होगी साथ 33 केवी लाईनों की लंबाई कम हुई हैं, जिससे वर्शा एवं बर्फबारी के कारण ब्रेक डाउन में भी कमी आयेगी।

उन्होंने कहा कि इसके संचालित होने से जनपदवासियां को लो–वोल्टेज से भी निजात मिलेगी साथ ही 24 घंट बिजली उपलब्ध हो पायेगी। इसके पश्चात मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र द्वारा जनपद में नवनिर्मित बस अड्डे का भी शुभारंभ किया गया। शुभारंभ के अवसर पर मुख्यमंत्री एवं परिहवन मंत्री यशपाल आर्या द्वारा बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम की एनआईसी एवं अल्मोड़ा प्रशासन द्वारा विकसित की गयी जागेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति के पोर्टल का भी उद्घाटन किया गया। उन्होंने कहा कि जनपद बागेश्वर आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जनपद हैं जिसमें सांस्कृति एवं ऐतिहासिक पहलुओं का उभारने की जरूरत हैं, इसके लिए सरकार ने प्रसिद्ध बागनाथ मंदिर से छडी यात्रा को भी शुरू किया है।

इस अवसर पर परिवहन मंत्री यशपाल आर्या द्वारा जनपद बागेश्वर के लिए 5 बसों की संचालन की घोशणा की गयी, जो बागेश्वर से दिल्ली एवं देहरादून आदि क्षेत्र के लिए संचालित की जायेगी।

न्यूज डायरी

कांग्रेस अनुशासन समिति ने पार्टी पार्षद सुमित्रा ध्यानी को एक माह के लिए निलम्बित किया

(संवाददाता) देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति ने पार्टी पार्षद सुमित्रा ध्यानी की सदस्यता एक माह के लिए निलम्बित कर दी है। प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिह की ओर से जारी निलम्बन आदेश में कहा गया है कि दिनांक 9 जनवरी को नगर निगम बोर्ड बैठक के दौरान श्रीमती ध्यानी द्वारा पार्टी की अन्य पार्षद कोमल बोहरा के साथ अभद्रता को पार्टी संगठन से गम्भीरता से लेते हुए उनका निलम्बन किया है। प्रदेश अनुशासन समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि कोमल बोहरा की शिकायत पर सुमित्रा ध्यानी को नोटिस जारी किया गया था जिसके प्रत्युत्तर से प्रदेश अनुशासन समिति संतुष्ट नहीं हुई तथा समिति द्वारा सर्व सम्मति से सुमित्रा की प्राथमिक सदस्यता एक माह के लिए निलम्बित की गई है।

तुलाज इंटरनेशनल स्कूल में आशीर्वाद समारोह आयोजित

(संवाददाता) देहरादून। तुलाज इंटरनेशनल स्कूल ने कक्षा 10 वीं और 12 वीं के छात्रों की आगामी बोर्ड परीक्षाओं की शुभकामनाएं देने के लिए आशिर्वाद समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत डीन ऑफ एकेडेमिक्स गुरचरण कौर द्वारा दीप प्रज्जवलन और मां सरस्वती की पूजा के साथ हुई। स्कूल के निदेशक रौनक जैन और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने श्लैंप ऑफ लर्निंग' को प्रज्वलित किया। बाद में स्कूल क्वायर द्वारा भक्तिपूर्ण प्रार्थना श्हे शारदे माँ' और हमको मन की शक्ति देना' गाया गया। कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों ने माँ सरस्वती का आशीर्वाद लेने के लिए फूल भेंट किए। स्कूल की प्रिंसिपल शालिनी शर्मा एवं डीन ऑफ एकेडेमिक्स गुरचरण कौर द्वारा सभी छात्रों को रोली एवं टीका लगाया गया।

मानवभारती स्कूल में वसंतोत्सव में रही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

(संवाददाता) देहरादून। समय रहते सजग नहीं हुए तो 2050 तक यह स्थिति आ जाएगी कि पानी को गहनों की तरह अलमारी में बंद रखना पड़ेगा। मानव भारती स्कूल में आयोजित वसंतोत्सव के दौरान नाट्य मंचन के माध्यम से बच्चों ने यह संदेश दिया। बच्चों ने चल संपत्ति से ज्यादा जल संपत्ति पर ध्यान देने को कहा। मानवभारती स्कूल परिसर में दो दिवसीय वसंतोत्सव के पहले दिन जल बचाओ नाटक का मंचन किया गया। बच्चों ने बताया कि नदियां जल का स्वरूप हैं और नदियों ने मानव ही नहीं बल्कि सभी प्राणियों को जीना सिखाया है। वो सभी के जीवन का आधार हैं, लेकिन मनुष्य नदियों को प्रदूषित कर रहा है।

महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं का लाभ उन्हें अवश्य मिले

महिलाओं के विरूद्व समाज में होने वाली हिंसा एवं उत्पीडन की रोकथाम एवं संचालित योजनाओ की समीक्षा कराती हुई राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष।

(संवाददाता) हरिद्वार। उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष विजया बडथ्वाल ने जिलाधिकारी कार्यालय रोशनाबाद में जनपद के अधिकारियों के साथ महिलाओं के विरूद्व समाज में होने वाली हिंसा एवं उत्पीडन की रोकथाम एवं महिलाओं के लिए विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की। विजया बडथ्वाल ने निर्देश दिये कि सभी अधिकारी सुनिश्चित कर लें कि भारत सरकार द्वारा संचालित तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित जितनी भी योजनाएं है उनका कितना लाभ महिलाओं को मिल रहा है और इन योजनाओं से ज्यादा से ज्यादा महिलाएं लाभान्वित हो उसके लिए कितने प्रयास किये गये। चिकित्सा विभाग से जानकारी लेते हुये उनके विभाग में चल रही महिला सम्मान दिवस, जननी सुरक्षा योजना योजन आदि योजनाओं की विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

गैरसैंण विस बजट सत्र सैरसपाटा हनीमून सत्र बनकर न रह जाय

(संवाददाता) देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री संगठन विजय सारस्वत ने 3 मार्च, 2020 सें गैरसैण में आयोजित राज्य विधानसभा के बजट सत्र की समयावधि पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा गैरसैण में आयोजित किया जाने वाला बजट सत्र कम समयावधि के चलते सैरसपाटा–हनीमून सत्र बनकर न रह जाय। विजय सारस्वत ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड विस के बजट सत्र की अवधि मात्र चार दिन रखी गई है तथा इतने समय में माननीय विधायकों द्वारा लगाये गये 500 प्रश्नों पर चर्चा कराई जानी संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि बजट सत्र की समयावधि से सरकार की मंशा स्पष्ट होती है कि सरकार

उत्तराखण्ड विस के बजट सत्र की अवधि मात्र चार दिन

विधायकों के जनहित से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर देने से बचना चाहती है ताकि सरकार की वास्तविक स्थिति जनता के सामने न आ सके। उन्होंने यह भी कहा कि मात्र चार दिन की अवधि के लिए पूरा सरकारी अमला गैरसैण ले जाया जायेगा जिस पर जनता की गाड़ी कमाई का एक बडा हिस्सा खर्च होने के बावजूद भी जनता के प्रतिनिधियों को उनके प्रष्नों का उत्तर नहीं मिल पायेगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र में यदि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाये गये प्रश्नों को न सुना जाय और उनके उत्तर न दिये जांय तो विधानसभा सत्र का कोई औचित्य नहीं बनता है।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती से मिजोरम के पूर्व राज्यपाल कुम्मनम राजशेखरन ने की भेंटवार्ता

(संवाददाता) ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज और मिजोरम के भूतपूर्व राज्यपाल कुम्मनम राजशेखरन जी की भेंटवार्ता हुई। राजशेखरन जी परमार्थ निकेतन पधारे उन्होने परमार्थ निकेतन आश्रम का भ्रमण कर स्वामी जी के मार्गदर्शन में वैश्विक स्तर पर सम्पन्न हो रही गतिविधियों के विषय में जानकारी प्राप्त की। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि राजशेखरन का व्यक्तित्व सरलता, सजगता और सात्विकता से युक्त है। आपने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और संघ परिवार के सदस्य के रूप में मिजोरम और केरल में उत्कृष्ट कार्य किया। उन्होने सभी को जोड़ने और सभी से जुड़ कर राजनीति को एक नया आयाम दिया। मिजोरम राज्य को भारत का सबसे साक्षर राज्य होने का गौरव प्राप्त हुआ, इस पर चर्चा करते हुये स्वामी जी ने राजशेखरन को साधुवाद दिया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज ने कहा कि मिजोरम राज्य प्राकृतिक रूप से समृद्ध और रमणीय राज्य है।

उत्तराखंड वैलनेस समिट–2020 के तहत दिल्ली में रोड शो का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड के पर्यटन, तीर्थाटन एवं धार्मिक मेले, संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित स्थित द लीला होटल में उत्तराखण्ड सरकार द्वारा "वैलनेस समिट–2020" के तहत रोड शो का आयोजन में प्रतिभाग किया। 17 अप्रैल व 18 अप्रैल को देहरादून में उत्तराखण्ड राज्य का पहला वैलनेस समिट होगा। रोड शो में सतपाल महाराज ने कहा कि उत्तराखण्ड में औषधीय पौधों और पारंपरिक औषधीय ज्ञान का प्रचुर भण्डार है। उत्तराखण्ड के पहाड़ों में, औषधीय पौधों का उपयोग लंबे समय से विभिन्न रोगों के उपचार के लिए किया जाता है और इन परंपराओं को संरक्षित करने की

रोड शो के दौरान मंचासीन पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज।

आवश्यकता है। पारम्परिक औषधीय ज्ञान का हमारे साथ बहुत पुराना रिश्ता है, जो रामायण्काल से चला आ रहा है। किंवदंती है कि राम और रावण के बीच हुए महान युद्व में, जब लक्ष्णम बुरी तरह से घायल हो गए थे और जीवन रक्षक जड़ी बूटी "संजीवनी बूटी" की जरूरत थी, हनुमान जी ने उत्तराखण्ड के हिमालय में द्रोणागिरी "दूनागिरी पर्वत" से इस जड़ी–बूटी को लाकर लक्ष्मण की जान बचाई। आधुनिक युग की जीवनशैली के फलस्वरूप उत्पन्न होने वाली विभिन्न बिमारियों से बचाव के लिए योग और आयुर्वेद एक प्रभावशाली विकल्प है। उत्तराखण्ड राज्य में स्वास्थ्य और वैलनेस पर्यटन की संभावनाएं बहुत अधिक है, जो योग एवं आयुर्वेद की स्वदेशी उपचार प्रणाली का आधार है।